वीयू के कुलपति महोदय द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "Introduction to Wildlife Health and Forensic" का किया गया शुभारंभ

स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर के तत्वाधान में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनाँक 20.05.2024 से आयोजित किया जा रहा है, जो पर्यावरण, वन एवं जल परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित (Sponsered) की गई है। जो मूलतः Introduction to Wildlife Health and Forensics विषय से संबंधित है। जिसमें देश के विभिन्न प्रदेशों से विटनरी साईंस एवं वाइल्डलाईफ सांइस के M.V.Sc. तथा Ph.D. के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को वर्तमान में वाईल्डलाईफ हैल्थ एवं फॉरेन्सिक की स्थिति से अवगत कराना है। इस प्रशिक्षण के तहत् हम वन्यप्राणियों के रोग एवं निदान, अपराधियों के पास से जप्त की गई वन्यप्राणियों की अवैध सामग्री एवं वाईल्ड एनिमल को ट्रक्यूलाईज करना इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जावेगी। इस प्रशिक्षण के तहत् फील्ड टूर में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मण्डला भ्रमण के दौरान विभिन्न वन्यप्राणी के बारे में जानेंगे।

यह प्रशिक्षण 20–22 मई 2024 तक चलेगा। प्रशिक्षण का शुभारंभ नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) सीता प्रसाद तिवारी द्वारा किया गया। इस मौके पर नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलसचिव डॉ. एस. के. जोशी, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता, डॉ. आर. के शर्मा, स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर की संचालिका डॉ. शोभा जावरे तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक, डॉ. देवेंद्र पोधाड़े उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित स्पीकर तथा पूर्व संचालक, डॉ. ए.बी. श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को वन्यजीव एवं फॉरेंसिक विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। अथितियों का स्वागत डॉ. सोमेष सिंह, डॉ. के.पी. सिंह, डॉ. काजल कुमार जादव, डॉ. निधि राजपूत तथा डॉ. अमोल रोकड़े आदि ने किया तथा सभा का संचालन, डॉ. निधि राजपूत एवं आभार प्रदर्शन डॉ. काजल कुमार जादव द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर